04 अध्याय
वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

1. परिचय

"वैश्वीकरण" का शाब्दिक अर्थ विश्व का एकीकरण होता है। अर्थात् विश्व के सभी देश एक जैसे किसी ना किसी रूप में एक दूसरे से अंतर संबंधित होते हैं। जैसे–विश्व के शीर्षस्थ विनिर्माताओं द्वारा बनी हुई डिजिटल कैमरे, मोबाइल फोन, गाड़ी आदि का हम उपयोग करतेहैं।

दो दशक पहले भारत के बाजार में इस प्रकार की विविधता दिखाई नहीं पड़ती थी। कुछ ही वर्षों में हमारा बाजार कैसे परिवर्तित हुआ इसे हम निम्नलिखित आयामों द्वारा समझेंगे।

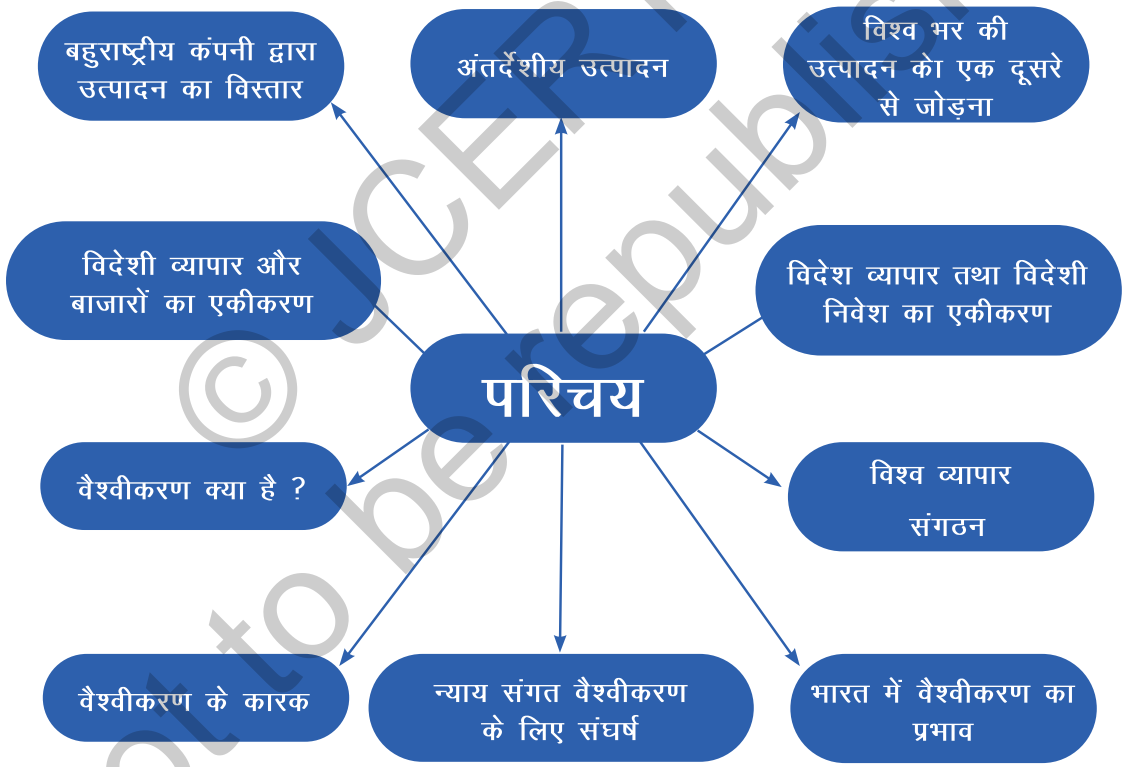

चित्र संख्या 4.1

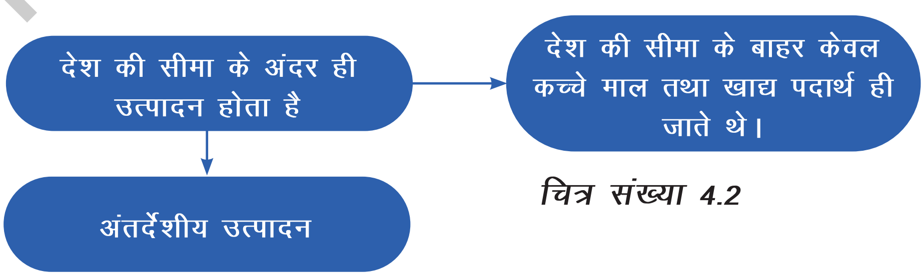

चित्र संख्या 4.2

© JCERT not to be republished

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

2. बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा उत्पादन का विस्तार :

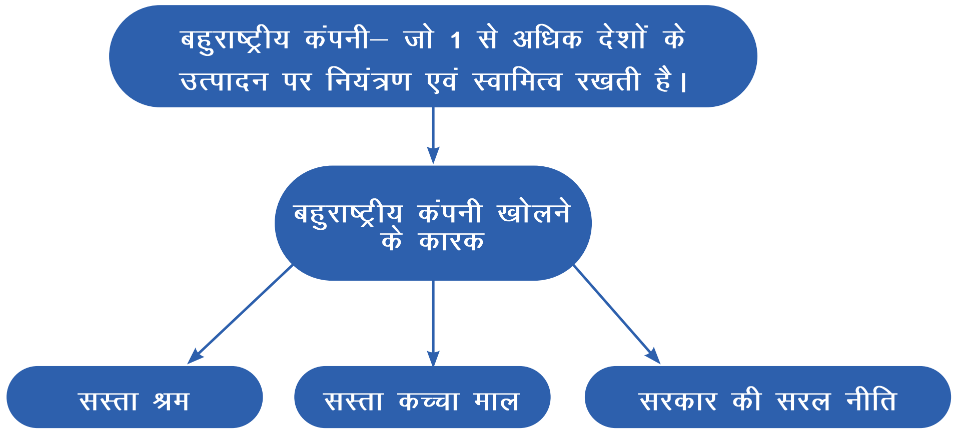

चित्र संख्या 4.3

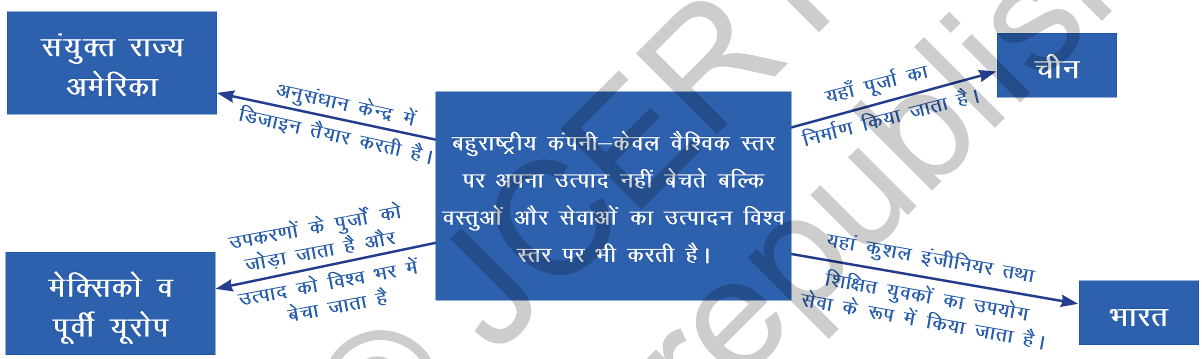

चित्र संख्या 4.3

3. विश्व भर के उत्पादन को एक दूसरे से जोड़ना :

विश्व भर के उत्पादन को एक दूसरे से बहुराष्ट्रीय कंपनी जोड़ती है।

बहुराष्ट्रीय कंपनी अपनी उत्पादन इकाई बाजार के नजदीक स्थापित करती हैं। जहां कम लागत पर कुशल और अकुशल श्रम उपलब्ध होती है। तथा सरकार की नीति उनके हित में होती है।

निवेश : परिसंपत्तियों जैसे भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते हैं।

विदेशी निवेश: बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा परिसंपत्तियों पर किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहते हैं।

© JCERT not to be republished

4. बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा उत्पादन करने के तरीके

बहुराष्ट्रीय कंपनी द्वारा उत्पादन करने के तरीके

उदाहरण स्वरूप–परख फूड्स के चार तेल शोधक केंद्र थे जिसे कारगिल ने खरीद लिया और अब 5000000 पैकेट प्रतिदिन निर्माण क्षमता के साथ भारत में खाद्य तेलों की सबसे बड़ी उत्पादक कंपनी है।

बहुराष्ट्रीय कंपनियां स्थनीय कंपनियों को खरीद कर उत्पादन का प्रचार करती है।

बहुराष्ट्रीय कंपनी स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त? रूप से उत्पादन करती है

स्थानीय कंपनियों को लाभ

बहुराष्ट्रीय कंपनी तीव्र उत्पादन के लिए धन प्रदान कराती है।

बहुराष्ट्रीय कंपनी अपने साथ नई प्रौद्योगिकी भी लाती हैं। जिससे स्थानीय कंपनी को सीखने को मोका मिलता हैं

1995 में अमेरिकी कंपनी फोर्ड मोटर्स भारत आयी और चेन्नई के निकट 1700 करोड़ रूपए का निवेश स्थानीय कंपनी जीपों एवं ट्रकों के प्रमुख निर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा के सहयोग से स्थपित की।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लाभ

बहुराष्ट्रीय कंपनी को नई जगह पर पार्टनर मिल जाते हैं, जिससे उनको शून्य से उत्पादन कार्य की शुरूआत नहीं करनी पड़ती है।

विकसित देशों की बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां छोटे उत्पादकों को उत्पादन का आर्डर देती हैं। वस्त्र, जूते–चप्पल एवं खेल के सामान ऐसे उद्योग हैं, जहां विश्व भर में बड़ी संख्या में छोटे उत्पादकों द्वारा उत्पादन किया जाता है बहुराष्ट्रीय कंपनियों को इन उत्पादों की आपूर्ति की जाती है फिर इन्हें वे अपनी ब्रांड नाम से ग्राहकों को बेचती है।

चित्र संख्या 4.4

© JCERT not to be republished

5. विदेश व्यापार और बाजारों का एकीकरण–

विदेश व्यापार घरेलू बाजारों अर्थात अपने देश के बाजारों से बाहर के बाजारों में पहुंचने के लिए उत्पादकों को एक अवसर प्रदान करता हे। जैसे– ईस्ट–इंडिया कंपनी भारत व्यापार के लिए आई थी।

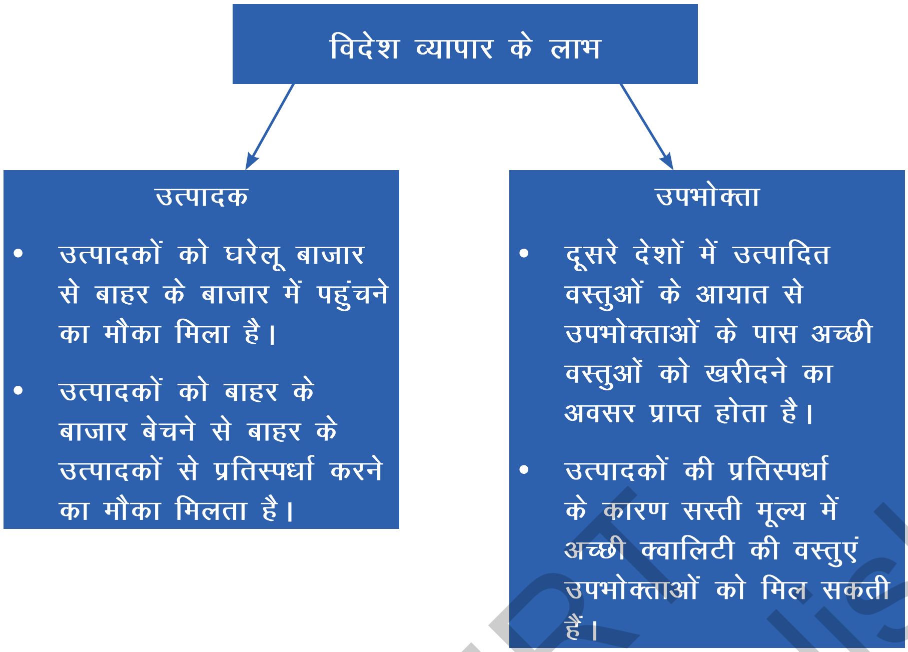

चित्र संख्या 4.5

उदाहरण स्वरूप –

चित्र संख्या 4.6

इस प्रकार, विदेश व्यापार : विभिन्न देशों के बाजारों को जोड़ने या एकीकरण में सहायक होता है।

6. वैश्वीकरण क्या है ?

बहुराष्ट्रीय कंपनियां विश्व में विभिन्न प्रकार से निवेश करती है जिससे विश्व व्यापार देशों में तीव्रता से बढ़ रही है, परिणाम स्वरूप विभिन्न देशों के बाजारों एवं उत्पादनों में एकीकरण हो रहा है।

''विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण है।''

© JCERT not to be republished

विभिन्न तरीके जिनके द्वारा देश परस्पर संबंधित होते है –

1. विभिन्न देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं, निवेश और प्रौद्योगिकी का आदान–प्रदान होता है।
2. लोग बेहतर आय, रोजगार एवं शिक्षा की तलाश में एक देश से दूसरे देश में आवागमन करते हैं।

7. वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक –

1. प्रौद्योगिकी
2. विदेश व्यापार तथा विदेशी निवेश का उदारीकरण

7.1 प्रौद्योगिकी– प्रौद्योगिकी में तीव्र उन्नति ने वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रेरित किया।

A. 50 वर्षों में परिवहन प्रौद्योगिकी में इतनी उन्नति हुई कि लंबी दूरी तक वस्तुओं की तीव्रतर आपूर्ति को कम लागत पर संभव किया जा सका है।

B. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (दूरसंचार कंप्यूटर और इंटरनेट) के क्षेत्र में विकास से विश्व भर में लोग एक दुसरे से संपर्क करने सूचनाओं को तात्काल प्राप्त करने और दूरवर्ती क्षेत्रों से संवाद करने में सफल हो पाए हैं।

7.2 विदेश व्यापार तथा विदेशी निवेश का उदारीकरण –

A. व्यापार अवरोधक – जब सरकार आयात की जाने वाली वस्तुओं पर कर लगाती हैं जिससे वस्तु महंगी हो जाती है इसे व्यापार अवरोधक कहते हैं।

1950–1960 के दशकों में उद्योगों का उदय हो रहा था और इस अवस्था में आयात से प्रतिस्पर्धा उन उद्योगों को बढ़ने नहीं देती इसलिए भारत ने केवल अनिवार्य चीजों जैसे मशीनरी, उर्वरक और पेट्रोलियम के आयात की ही अनुमति दी ।

8. 1991 में सरकार उदारीकरण की नीति लायी

जिसमें विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवश से अवरोध को हटा दिया गया।

जिससे आयात–निर्यात सुगमता से किया जा सकता था।

व्यापारी मुक्त रूप से निर्णय ले सकते थे।

अंतरारष्ट्रीय व्यापार को बढ़वा देना ही उदारीकरण हैं

9. विश्व व्यापार संगठन (World Trade Orgnisatuion)

1. विश्व व्यापार संगठन एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना है।
2. विकसित देशों की पहल पर विश्व व्यापार संगठन शुरू किया गया था।
3. विश्व व्यापार संगठन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित नियमों को निर्धारित करता है।
4. 164 देश विश्व व्यापार संगठन (2016) के सदस्य हैं।

© JCERT not to be republished

10. भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव

भारत में वैश्वीकरण का सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभाव दोनों पड़ा है।

10.1 सकारात्मक प्रभाव –

1. **उत्पादकों** – स्थानीय एवं विदेशी दोनों के बीच वृहत्तर प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं विशेषकर शहरी क्षेत्र में धनी वर्ग के उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। उपभोक्ताओं को उन्नत किस्म के और कम कीमत में वस्तुएं मिल रही हैं।
2. **बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने शहरी इलाकों के उद्योगों जैसे**– सेलफोन, मोटरगाड़ियों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों, ठंडे पेय पदार्थों और खाद्य पदार्थों एवं बैंकिंग सेवाएं जैसी सेवाओं के निवेश में रूचि दिखाई है इससे संपन्न वर्ग के खरीददार लाभान्वित हो रहे हैं।
3. वैश्वीकरण के कारण उद्योगों और सेवाओं में नए रोजगार उत्पन्न हुए हैं।
4. बहुराष्ट्रीय कंपनियों को कच्चे माल आदि की आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियां समृद्ध हुई हैं।
5. वैश्वीकरण से शीर्ष भरतीय कंपनियां प्रतिस्पर्धा में लाभान्वित हुई हैं कुछ बड़ी भारतीय कंपनियों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के रूप में उभरने के योग्य बनाया है जैसे टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी, आदि।
6. वैश्वीकरण ने सेवा प्रदाता कंपनी में विशेषकर सूचना और संचार प्रौद्योगिकी वाली कंपनियों के लिए नए अवसरों का सृजन किया है भारतीय कंपनी द्वारा लंदन स्थित कंपनी के लिए पत्रिका का प्रकाशन और कॉल सेंटर इसके उदाहरण हैं।
7. डाटा एंट्री लिखा करें इंजीनियरिंग जैसी सेवाएं भारत में अब सस्ते में उपलब्ध है और विकसित देशों को निर्यात की जाती है।

10.2 नकारात्मक प्रभाव – वैश्वीकरण से छोटे उत्पादकों और श्रमिकों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है –

1. प्लास्टिक, खिलौने, टायरों, डेयरी उत्पादों एवं खाद्य तेल के उपयोग कुछ ऐसे उदाहरण हैं जहां प्रतिस्पर्धा के कारण छोटी विनिर्माताओं पर कड़ी मार पड़ी है कई इकाइयां बंद हो गई है जिसके चलते अनेक श्रमिक बेरोजगार हो गए।
2. प्रतिस्पर्धा के कारण अधिकांश उत्पादक श्रमिकों को रोजगार देने में लचीलापन पसंद करते हैं इसका अर्थ है कि श्रमिकों का रोजगार अब सुनिश्चित नहीं है।

11. न्याय संगत वैश्वीकरण के लिए संघर्ष –

न्याय संगत वैश्वीकरण सभी के लिए अवसर प्रदान करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वैश्वीकरण के लाभों में सब की बेहतर हिस्सेदारी हो।

1. सरकार यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि श्रमिक कानूनों का उचित कार्यन्वयन हो और श्रमिकों को अपने अधिकार मिले।
2. सरकार व्यापार और निवेश और दुखों का उपयोग कर सकते हैं और न्याय संगत नियमों के लिए विश्व व्यापार संगठन से समझौते भी कर सकती है।

© JCERT not to be republished

सारांश

1. वैश्वीकरण विभिन्न देशों के बीच तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया है।
2. विदेशी निवेश और विदेशी व्यापार के द्वारा वैश्वीकरण संभव हो रहा है।
3. बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्वीकरण की प्रक्रिया में मुख्य भूमिका निभा रही हैं।
4. देशों के बीच उत्पादन को संगठित करने में प्रौद्योगिकी विशेषकर सूचना प्रौद्योगिकी ने एक बड़ी भूमिका निभाई है।
5. व्यापार और निवेश के उदारीकरण ने व्यापार और निवेश और उद्योगों को हटाकर वैश्वीकरण को सुगम बनाया है।
6. विश्व व्यापार संगठन (W.T.O) ने व्यापार और निवेश के उदारीकरण के लिए विकासशील देशों पर दबाव डाला है।
7. न्यायसंगत वैश्वीकरण सभी के लिए अवसरों का सृजन करेगा और यह भी सुनिश्चित करेगा कि वैश्वीकरण के लाभों में सभी बेहतर हिस्सेदारी हो।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

1. विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?

   a. निजीकरण b. वैश्वीकरण

   c. उदारीकरण d. प्रमाणीकरण

2. निम्न में से कौन विदेशी व्यापार का एक अवरोध है?

   a. स्थानीय व्यापार पर कर b. गुणवत्ता नियंत्रण

   c. सेल टैक्स d. आयात पर कर

3. विश्व व्यापार संगठन के गठन का प्रमुख उद्देश्य क्या था?

   a. द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देना

   b. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का उदारीकरण

   c संपन्न देशों के व्यापार को बढ़ावा देना

   d. गरीब देशों के व्यापार को बढ़ावा देना

4. वैश्वीकरण के लाभ अब तक किस प्रकार के देशों को अधिक प्राप्त हुआ है?

   a. गरीब देश b. विकासशील देश

   c. विकसित देश d. इनमें से कोई नहीं

© JCERT not to be republished

5. विश्व व्यापार संगठन की स्थापना कब हुई ?

a. 1995 b. 1993 c. 1992 d. 1991

6. सरकार द्वारा अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अवरोधों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को क्या कहते हैं?

a. निजीकरण b. उदारीकरण

c. वैश्वीकरण d. राष्ट्रीयकरण

7. देश के घरेलू बाजार में बहुराष्ट्रीय कंपनियों का प्रवेश निम्न में से किन के लिए हानिकारक हो सकती है?

a. घटिया घरेलू उत्पादक b. सभी घरेलू उत्पादक

c. बड़े पैमाने पर निर्माता d. सभी छोटे पैमाने के उत्पादक

8. विदेशी निवेश किसके द्वारा किया जाने वाला निवेश है?

a. देश की सरकार b. निजी संगठन क्षेत्र

c. बहुराष्ट्रीय कंपनियों d. गैर सरकारी संगठन

9. फोर्ड मोटर्स नामक फर्म भारत में कब आई ?

a. 1985 b. 1991 c.1992 d. 1995

10. विश्व व्यापार संगठन के सदस्य देशों की संख्या (2016) कितनी है,?

a. 149 b. 250 c. 230 d. 164

11. वह कंपनी जो कि अपने उत्पादन का नियंत्रण एक देश से अधिक देशों में करती है उसे कहते हैं?

a. निजी कंपनी b. सार्वजनिक कंपनी

c. आंतरिक कंपनी d. बहुराष्ट्रीय कंपनी

12. वह वैश्विक संस्था जिसने व्यापार और निवेश के उदारीकरण के लिए विकासशील देशों पर दबाव डाला है?

a. विश्व व्यापार संगठन b. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

c. विश्व बैंक d. इनमें से कोई नहीं

1– b, 2– d, 3–b, 4– c, 5–a, 6–b, 7–d, 8– c, 9–d, 10–d, 11–d, 12–a

© JCERT not to be republished

प्रश्नोत्तर

प्रश्न. 1. वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : वैश्वीकरण का अर्थ एक ऐसी व्यवस्था से है जिसमें किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश द्वारा जोड़ा जाता है। वैश्वीकरण के कारण आज विश्व में विभिन्न देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं, तकनीकी तथा श्रम का आदान–प्रदान हो रहा है। इस कार्य में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जब वे अपनी इकाइयाँ संसार के विभिन्न देशों में स्थापित करती हैं।

प्रश्न 2. भारत सरकार द्वारा विदेश व्यापार एवं विदेशी निवेश पर अवरोध लगाने के क्या कारण थे? इन अवरोधकों को सरकार क्यों हटाना चाहती थी?

उत्तर: स्वतंत्रता के बाद भारत सरकार ने विदेश व्यापार एवं विदेशी निवेश पर प्रतिबंध लगा रखा था। विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश के उत्पादकों को संरक्षण प्रदान करने के लिए इसे अनिवार्य माना गया। 1950 एवं 1960 के दशक में उद्योगों की स्थापना हुई और इस अवस्था में इन नवोदित उद्योगों को आयात में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति नहीं दी गई। इसलिए भारत ने केवल अनिवार्य चीजों, जैसे–मशीनरी, उर्वरक और पेट्रोलियम आयात की ही अनुमति दी। सन् 1991 में आर्थिक नीति में परिवर्तन किया गया। सरकार ने निश्चय किया कि भारतीय उत्पादकों को विश्व के उत्पादकों के साथ प्रतिस्पर्धा करनी होगी जिससे देश के उत्पादकों के प्रदर्शन में सुधार होगा और वे अपनी गुणवत्ता में सुधार करेंगे। इसलिए विदेशी व्यापार एवं निवेश पर से अवरोधकों को काफी हद तक हटा दिया गया। इसका अर्थ है कि वस्तुओं का सुगमता से आयात किया जा सकेगा और विदेशी कंपनियाँ यहाँ अपने कार्यालय और कारखाने स्थापित कर सकेंगी। सरकार द्वारा अवरोधकों एवं प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को ही उदारीकरण कहते हैं।

प्रश्न 3. दूसरे देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित करती हैं?

उत्तर : बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वे कंपनियाँ हैं जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती हैं। ये कंपनियाँ उन देशों में अपने कारखाने स्थापित करती हैं जहाँ उन्हें सस्ता श्रम एवं अन्य साधन मिल सकते हैं। जहाँ सरकारी नीतियाँ भी उनके अनुकूल हों। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ इन देशों की स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करती हैं, लेकिन अधिकांशतः बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ स्थानीय कंपनियों को खरीदकर उत्पादन का प्रसार करती हैं। जैसे– एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी 'कारगिल फूड्स' ने अत्यंत छोटी भारतीय कंपनी 'परख फूड्स' को खरीद लिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ एक अन्य तरीके से उत्पादन नियंत्रित करती हैं। विकसित देशों में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ छोटे उत्पादकों को उत्पादन का आदेश देती हैं। वस्त्र, जूते–चप्पल एवं खेल के सामान ऐसे उद्योग हैं, जिनका विश्वभर में बड़ी संख्या में छोटे उत्पादकों द्वारा उत्पादन किया जाता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों को इनकी आपूर्ति कर दी जाती है, जो अपने ब्रांड नाम से इसे ग्राहकों को बेचती हैं।

प्रश्न 5. विकसित देश, विकासशील देशों से उनके व्यापार और निवेश का उदारीकरण क्यों चाहते है ? क्या आप मानते हैं कि विकासशील देशों को भी बदले में ऐसी माँग करनी चाहिए ?

उत्तर : विकसित देश, विकासशील देशों से उनके व्यापार ओर निवेश का उदारीकरण चाहते हैं। इनका मानना है कि विदेश व्यापार और विदेशी निवेश पर सभी अवरोधक हानिकारक हैं। इसलिए कोई

अवरोध नहीं होना चाहिए तथा देशों के बीच मुक्त व्यापार होना चाहिए। विश्व के सभी देशों को अपनी नीतियाँ उदार बनानी चाहिए। इसके लिए विकसित देशों की पहल पर विश्व व्यापार संगठन बनाया गया जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित नियम लागू करता है। विश्व व्यापार संगठन के नियमों के कारण विकासशील देश व्यापार अवरोधकों को हटाने के लिए विवश हुए हैं जबकि विकसित देशों ने अनुचित ढंग से व्यापार अवरोधकों को बरकरार रखा है।

विकासशील देश समय–समय पर विकसित देशों की सरकार से प्रश्न पूछते हैं कि उन्होंने विश्व व्यापार संगठनों के नियमों को ताक पर रखकर अपने देश में अवरोधक बना रखे हैं। क्या यह मुक्त और न्यायसंगत है? यदि विकासशील देश विश्व व्यापार संगठनों के नियमों को मानकर अवरोधकों को हटा रहे हैं तो विकसित देशों को भी अवरोधकों को हटाना होगा।

प्रश्न 6. 'वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं है। इस कथन की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

उत्तर : विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया ही वैश्वीकरण का विश्व के सभी देशों पर गहरा प्रभाव पड़ा किंतु यह प्रभाव एक समान नहीं है। स्थानीय एवं विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धाओं में धनी वर्ग के उपभोक्ताओं को लाभ हुआ है। इन उपभोक्ताओं के समक्ष पहले से अधिक विकल्प हैं और वे अनेक उत्पादों की उत्कृष्टता, गुणवत्ता और कम कीमत से लाभान्वित हो रहे हैं। परिणामतः ये लोग पहले की अपेक्षा एक उच्चतर जीवन स्तर का उपभोग कर रहे हैं।

वैश्वीकरण से बड़ी संख्या में छोटे उत्पादकों और कर्मचारियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। बैटरी, प्लस्टिक, खिलौने, टायर, डेयरी उत्पाद एवं खाद्य तेल के उद्योग कुछ ऐसे उदाहरण हैं, जहाँ प्रतिस्पर्धा के कारण छोटे निर्माता टिक नहीं सके । कई इकाइयाँ बंद हो गईं।जिसके चलते अनेक श्रमिक बेरोजगार हो गए। वैश्वीकरण और प्रतिस्पर्धा के दबाव ने श्रमिकों के जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित किया। बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण श्रमिकों का रोजगार लंबे समय के लिए सुनिश्चित नहीं रहा। वैश्वीकरण के कारण मिले लाभ में श्रमिकों को न्यायसंगत हिस्सा नहीं मिला। ये सभी प्रमाण संकेत करते हैं कि वैश्वीकरण सभी के लिए लाभप्रद नहीं रहा है। शिक्षित, कुशल और संपन्न लोगों ने वैश्वीकरण से मिले नए अवसरों का सर्वोत्तम उपयोग किया हैं दूसरी ओर अनेक लोगों को लाभ में हिस्सा नहीं मिला।

प्रश्न 7. व्यापार और निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में कैसे सहायता पहुँचाती है ?

उत्तर : सरकार द्वारा व्यापार पर से अवरोधकों अथावा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को ही उदारीकरण कहा जाता है। सरकार व्यापार अवरोधक का प्रयोग विदेश व्यापार विदेश व्यापार में वृद्धि या कटौती करने के लिए कर सकती है। सरकार द्वारा उदारीकरण करने से वस्तुओं का आयात–निर्यात सुगमता से किया जा सकेगा तथा विदेशी कंपनियाँ भी अपने कार्यालय और कारखाने खोल सकेंगी। व्यापार के उदारीकरण से व्यवसायियों को मुक्त रूप से निर्णय लेने की अनुमति मिल जाती है कि वे क्या आयात या निर्यात करना चाहते हैं। विश्व के सभी देशों को अपनी नीतियाँ उदार बनानी होंगी तभी वैश्वीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

© JCERT not to be republished

प्रश्न 8. विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में किस प्रकार मदद करता है? यहाँ दिए गए उदाहरण से भिन्न उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर : विदेशी व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में निम्नलिखित प्रकार से मदद करता है

1. विदेशी व्यापार के कारण घरेलू उत्पादकों को अन्य देशों के बाजारों में पहुँचने का अवसर मिलता है। इससे उत्पादक अपने देश के बाजारों के साथ–साथ विश्व के बाजारों से भी प्रतियोगिता कर सकता है।

2. ग्राहकों को विदेशी व्यापार के कारण सबसे अधिक लाभ मिलता है। अब उन्हें विभिन्न प्रकार की चीजें अपने देश में ही उपलब्ध होने लगती हैं।

उदाहरण के लिए भारतीय कंप्यूटर बाजार में विदेशी कंपनियों के प्रवेश से भीारतीय तथा विदेशी कंपनियाँ में प्रतिस्पर्धा होगी। यदि विदेशी कंपनियों के कंप्यूटर बेहतर साबित होंगे तो भारतीय उपभोक्ता के सामने अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। भारतीय कंपनियाँ भी अपनी हानि को कम करने के लिए अपने उत्पाद की गुणवत्ता और कीमतों में सुधार करेंगी अन्यथा वे प्रतियोगिता से बाहर हो जाएँगी।

प्रश्न 9. वैश्वीकरण भविष्य में जारी रहेगा। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आज से बीस वर्ष बाद विश्व कैसा होगा? अपनी उत्तर का कारण दीजिए।

उत्तर : आज से बीस वर्ष बाद भी वैश्वीकरण न केवल जारी रहेगा बल्कि वह अपने चरम पर होगा। विश्व के विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाएँ एक–दूसरे से जुड़ी होंगी। उनमें वस्तुओं, सेवाओं, तकनीकी तथा श्रमिकों का आदान–प्रदान बहुत अधिक होगा। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ विभिन्न देशों में अधिक–से–अधिक निवेश करेंगी। विदेशी व्यापार का अधिकांश हिस्से पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का नियंत्रण होगा। इस अवस्था में वैश्वीकरण के कारण व्यापार तथा निवेश के क्षेत्र में विभिन्न देशों में एकीकरण में वृद्धि होगी। एक देश की तकनीक, पूँजी तथा श्रम दूसरे देश के काम आने लगेंगे जिससे विश्व अर्थव्यवस्था का विकास होगा।

प्रश्न 10. मान लीजिए कि आप दो लोगों को तर्क करते हुए पाते हैं–एक कह रहा है कि वैश्वीकरण ने हमारे देश के विकास को क्षति पहुँचाई है, दूसरा कह रहा है कि वैश्वीकरण ने भारत के विकास में सहायता की है। इन लोगों को आप कैसे जवाब देंगे?

उत्तर : वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह प्रभाव सकारात्मक भी रहा तथा नकारात्मक भी।इसलिए कुछ लोग मानते हैं कि वैश्वीकरण ने भारत के विकास में मदद पहुँचाई है तथा कुछ लोग मानते हैं कि वैश्वीकरण ने भारत के विकास को क्षति पहुँचाई। मेरा विचार है कि वैश्वीकरण से भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है। लोगों को नई व उन्नत तकनीक की वस्तुएँ तथा बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। किंतु ये विकास असमान रहा अर्थात् इसने बड़े–बड़े उद्‌योगपतियों, शिक्षित व धनी उत्पादकों व धनी उपभोक्ताओं को तो लाभ पहुँचाया किंतु छोटे उद्‌योगपतियों, सुशीला जैसे श्रमिकों तथा विकासशील देशों को नुकसान पहुँचाया। वैश्वीकरण के कारण बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत में कई लघु व कुटीर उद्‌योगों को लगभग नष्ट कर दिया है। श्रम कानूनों में, वैश्वीकरण के कारण बहुत लचीलापन आ गया जिससे लोगों का रोजगार अनिश्चित हो गया है।

© JCERT not to be republished

अब जबकि वैश्वीकरण अनिवार्य विकल्प है तो सरकार द्वारा वैश्वीकरण को अधिक न्यायसंगत और सर्वव्यापी बनाने की आवश्यकता है ताकि इसका लाभ कुछ लोगों तक ही सीमित न रहे। सरकार को छोटे उद्योगोपतियों को सस्ते दामों पर ऋण देकर, बेहतर बिजली की सुविधाएँ देकर विदेशी प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना चाहिए। विकसित देशों पर अपने व्यापार और निवेश का उदारीकरण करने का दबाव डालना चाहिए।

प्रश्न 11. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

दो दशक पहले की तुलना में भारतीय खरीददारों के पास वस्तुओं के अधिक विकल्प हैं। यह..... .... की प्रक्रिया से नजदीक से जुड़ा हुआ है। अनेक दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं को भारत के बाजारों में बेचा जा रहा है। इसका अर्थ है कि अन्य देशों के साथ........................ बढ़ रहा है। इससे भी आगे भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा उत्पादित ब्रांडों की बढ़ती संख्या हम बाजारों में देखते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं क्योंकि.................................. । जबकि बाजार में उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प इसलिए बढ़ते .... और .... के प्रभाव का अर्थ है। उत्पादकों के बीच अधिकतम.............................. ।

उत्तर : वैश्वीकरण, विदेशी व्यापार, यहाँ उन्हें उचित परिस्थितियाँ मिल रही हैं, जैसे –बड़ा बाजार, सस्ते श्रमिक आदि, निर्यात, उदारीकरण, प्रतिस्पर्धा

प्रश्न 12. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए।

(क) बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ छोटे उत्पादकों से सस्ते दरों	(अ) करने के लिए निवेश किया है
(ख) आयात पर कर और कोटा का उपयोग, व्यापार	(ब) कपड़ा, जूते–चप्पल, खेल के सामान खरीदती है।
(ग) विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियाँ।	(स) कॉल सेंटर
(घ) आई. टी. ने सेवाओं के उत्पादन के प्रसार में सहायता की है।	(द) टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी
(ङ) अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने उत्पादन ।	(य) व्यापार अवरोधक

उत्तर : (क)–ब, (ख)–य, (ग)–द, (घ)–स, (ङ) अ

प्रश्न 13. सही विकल्प का चयन कीजिए

(अ) वैश्वीकरण के विगत दो दशकों में द्रुत आवागमन देखा गया है

(क) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और लोगों का

(ख) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और निवेशों का

(ग) देशों के बीच वस्तुओं, निवेशों और लोगों का।

© JCERT not to be republished

(ब) विश्व के देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश का सबसे अधिक सामान्य मार्ग है

(क) नए कारखानों की स्थापना

(ख) स्थनीय कंपनियों को खरीद लेना।

(ग) स्थनीय कंपनियों से साझेदारी करना।

(स) वैश्वीकरण ने जीवन–स्तर के सुधार में सहायता पहुँचाई है

(क) सभी लोगों के

(ख) विकसित देशों के लोगों के

(ग) विकसित देशों के श्रमिकों के

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर : (अ)–(क), (ब)–(ख), (स)–(ख)

अतिरिक्त परियोजना/कार्य कलाप

प्रश्न 1. कुछ ब्रांडेड उत्पादों को लीजिए, जिनका हम रोजाना इस्तेमाल करते हैं (साबुन, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएँ इत्यादि)। जाँच कीजिए कि इनमें से कौन–कौन बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा उत्पादित हैं।

उत्तर : निर्देशनः विद्यार्थी इस परियोजना कार्य को स्वयं करें। वे समाचार–पत्रों, पुस्तकों, चित्रों, टेलीविजन, इंटरनेट से लाभ उठा सकते हैं। इस परियोजना कार्य को करने के बाद विद्यार्थी वैश्वीकरण के अर्थ व व्यवहारिक रूप को भली–भाँति समझ पाएँगें।

प्रश्न 2. अपनी पसंद के किसी भी भारतीय उद्योग या सेवा को लीजिए। उद्योग के निम्नलिखित पहलूओं पर लोगों के साक्षात्कारों, समाचार–पत्रों एवं पत्रिकाओं की कतरनों, पुस्तकों, दूरदर्शन एवं इंटरनेट से जानकारियाँ और फोटो संकलित कीजिए

(क) उद्योग में विविध उत्पादक/कंपनियाँ।

(ख) क्या उत्पाद अन्य देशों को निर्यात होता है?

(ग) क्या उत्पाद अन्य देशों से आयात होता है?

(घ) उद्योग में प्रतिस्पर्धा।

(ङ) उद्योग में कार्य–परिस्थितियाँ।

(च) क्या विगत पंद्रह वर्षों में उद्योग में कोई बड़ा बदलाव आया है?

(छ) उद्योग में कार्यरत लोगों की समस्याएँ।

उत्तर : विद्यार्थी इस परियोजना कार्य को भी स्वयं करें।

© JCERT not to be republished